30 AUG 2019

GENERAL STUDIES (Module – 7)

निर्धारित समयः तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19 (N-M)–M–GS17

अधिकतम अंकः 250
Maximum Marks: 250

Name: VIVESH **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** Awake-19/F11

Center & Date: M.Ngr. 30 Aug 2019 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0877016

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

1. हड़प्पा काल के चित्रकारों में उत्कृष्ट कलात्मक संवेदनशीलता और जीवंत कल्पनाएँ विद्यमान थीं। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The artists of the Harappan period had fine artistic sensibilities and vivid imaginations. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

प्राचीन भारतीय इतिहास में हड़प्पा काल के साक्ष्य सिंधु घाटी सभ्यता, मोहनजोदड़ो, लोथल क्षेत्रों में प्राप्त हुए हैं। इन साक्ष्यों में चित्रकला के साक्ष्य भी प्राप्त हुए हैं।

चित्रकला में कलात्मक संवेदनशीलता की विशेषताएँ

* हड़प्पा चित्रकला के विषयों में पर्याप्त वैविध्य दृष्टिगत होता है
  - प्रकृति के चित्र
  - जन्तुओं के चित्र
  - आर्येत्तर संस्कृति के चित्र
  - देवी देवताओं के चित्र
  - वृक्ष का चित्र

आदि मिलते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this mar

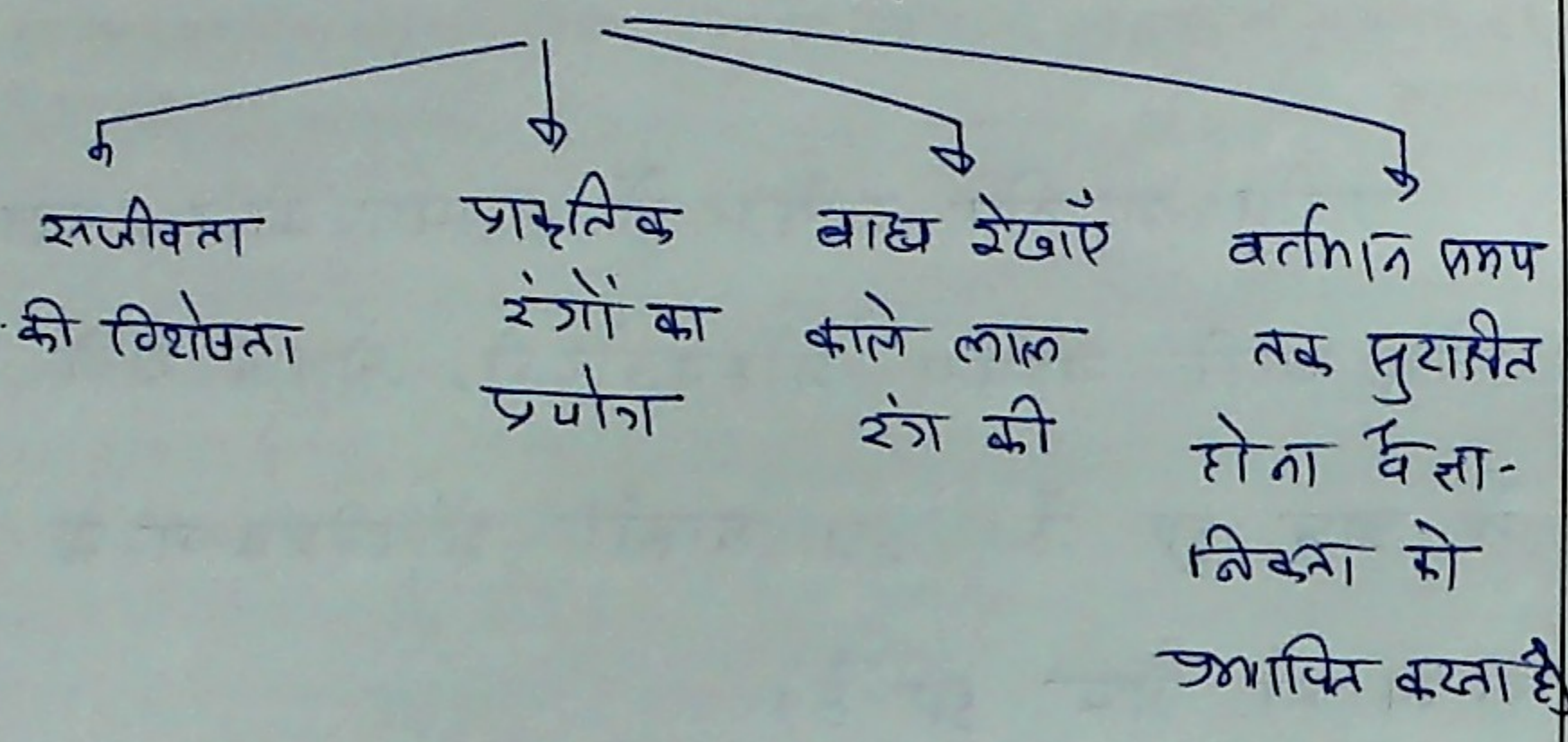

* चित्रों की विशेषताएँ

- सजीवता की विशेषता
- प्राकृतिक रंगों का प्रयोग
- बाह्य रेखाएँ काले लाल रंग की
- वर्तमान समय तक सुरक्षित होना वैज्ञानिकता को प्रमाणित करता है

* चित्रकला से प्रकृति प्रेम, तत्कालीन देवी देवताओं, धार्मिक प्रवृत्ति, तत्कालीन आर्थिक संस्कृति के विषय में पता चलता है

भारतीय चित्रकला पाषाण काल से प्रारंभ हो चुकी थी जिसमें हड़प्पा कालीन चित्रकला का स्वरूप इसके विकासशील चरित्र को उद्घाटित करता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

2. छठी शताब्दी के धार्मिक आंदोलन के फलस्वरूप भारत में जैन तथा बौद्ध धर्म अस्तित्व में आए। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Jainism and Buddhism emerged in India in response to religious unrest in the 6th century. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हिंदू धर्म के रूप में देश में एकमात्र धर्म छठी शताब्दी तक विकसित था। हिंदू धर्म की सीमाओं व कमियों के चलते नए धर्मों का विकास एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी। जैन व बौद्ध इसी हिंदू धर्म की प्रतिक्रिया में उत्पन्न हुए थे।

हिंदू धर्म की सीमाएँ

* धर्म का बाह्य आडंबरी स्वरूप स्थापित हो चुका था।
* पुराणों की गलत व्याख्या के कारण समाज में एक अस्वाभाविक स्तरीकरण हुआ तथा समाज का स्तरीकरण हुआ।
* पशु हिंसा का बढ़ता प्रभाव
* धर्म एक उच्च वर्ग तक सीमित हो गया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate m
write on this

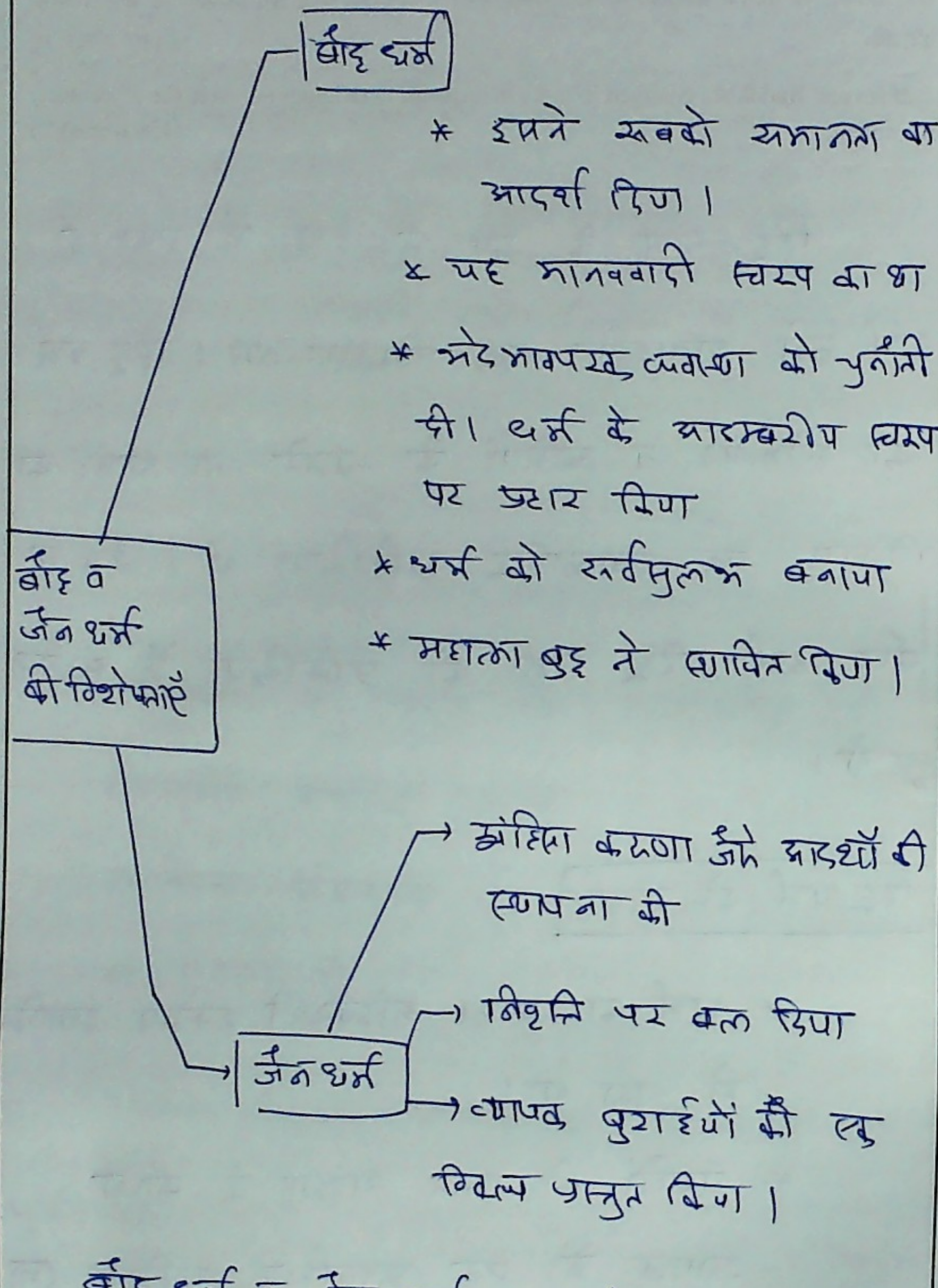

बौद्ध धर्म व जैन धर्म तत्कालीन समाज में धर्म की रूढ़ियों की प्रतिक्रिया के रूप में स्थापित हो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

3. आतंकवादी राष्ट्रवाद के उद्भव की स्थितियाँ बंगाल विभाजन की घोषणा से पूर्व ही विकसित हो चुकी थीं। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Conditions for the emergence of militant nationalism had already developed when the partition of Bengal was announced. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

1885 में भारतीय राष्ट्रवादी कांग्रेस की स्थापना के पश्चात् भारत में स्वतंत्रता आंदोलन की शुरुवात हुई। शुरुवाती दौर नरमपंथी विचारों का दौर था किंतु इसमें आंतकवादी राष्ट्रवाद के बीज देखे जा सकते थे।

बंगाल विभाजन से पूर्व आतंकी राष्ट्रवाद

* आतंकी राष्ट्रवाद तत्कालीन नरमपंथी विचार धारा से खुश नहीं था।
* ना ही वह संवैधानिक तरीकों तथा राष्ट्रीय आंदोलन को सीमित रखना चाहता था।
* क्रांतिकारी राष्ट्रवाद आंदोलन को विरोध, प्रदर्शन, अखबार से असहयोग के रूप में स्थापित करना चाहता था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[...] चाहिये।
(Candidate must n[...] write on this marg[...])

* ~~प्रथम~~ गरम दल के रूप में विभाजन भले ही 1907 के सूरत अधिवेशन में हुआ हो किंतु इसके नेताओं के भीतर अंतर्द्वंद्व पहले ही सामने आ चुका था।

* बंगाल विभाजन की घोषणा से ही इस शाखा ने इस नीति की कड़ी आलोचना की।

यद्यपि इसका विस्तृत स्वरूप राष्ट्रीय आंदोलन के रंग पकड़ने के दौरान दिखता है किंतु शुरुआत बंगाल विभाजन से पूर्व हो चुकी थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. भारत के डीप ओशन मिशन के उद्देश्यों और महत्त्व की चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

Discuss the objectives and significance of India's Deep Ocean Mission. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समुद्र में निहित संसाधनों को गहराई से निकालने की प्रक्रिया को डीप ओशन कहते हैं

हाल ही में ~~[illegible]~~ ISA के तहत भारत को हिंद महासागर में खनन हेतु 3 वर्षों की अतिरिक्त अनुमति प्रदान की गयी।

डीप ओशन मिशन के उद्देश्य

* समुद्री संसाधनों का युक्तियुक्त पूर्ण दोहन
* पोली मेटेलिक नाड्यूल्स का खनन
* खनन में संधारणीय विकास को शामिल किया जाना।
* घरेलू आवश्यकताओं को पूरा किया जाना
* खनन की तकनीकों के विकास हेतु अनुसंधान व शोध

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये।
(Candidate must n[ot] write on this marg[in])

डीप ओशन मिशन का महत्व

* समुद्र में निहित पोली मेटैलिक नाड्यूल्स तथा रेअर अर्थ मेटल्स की भारतीय मांग

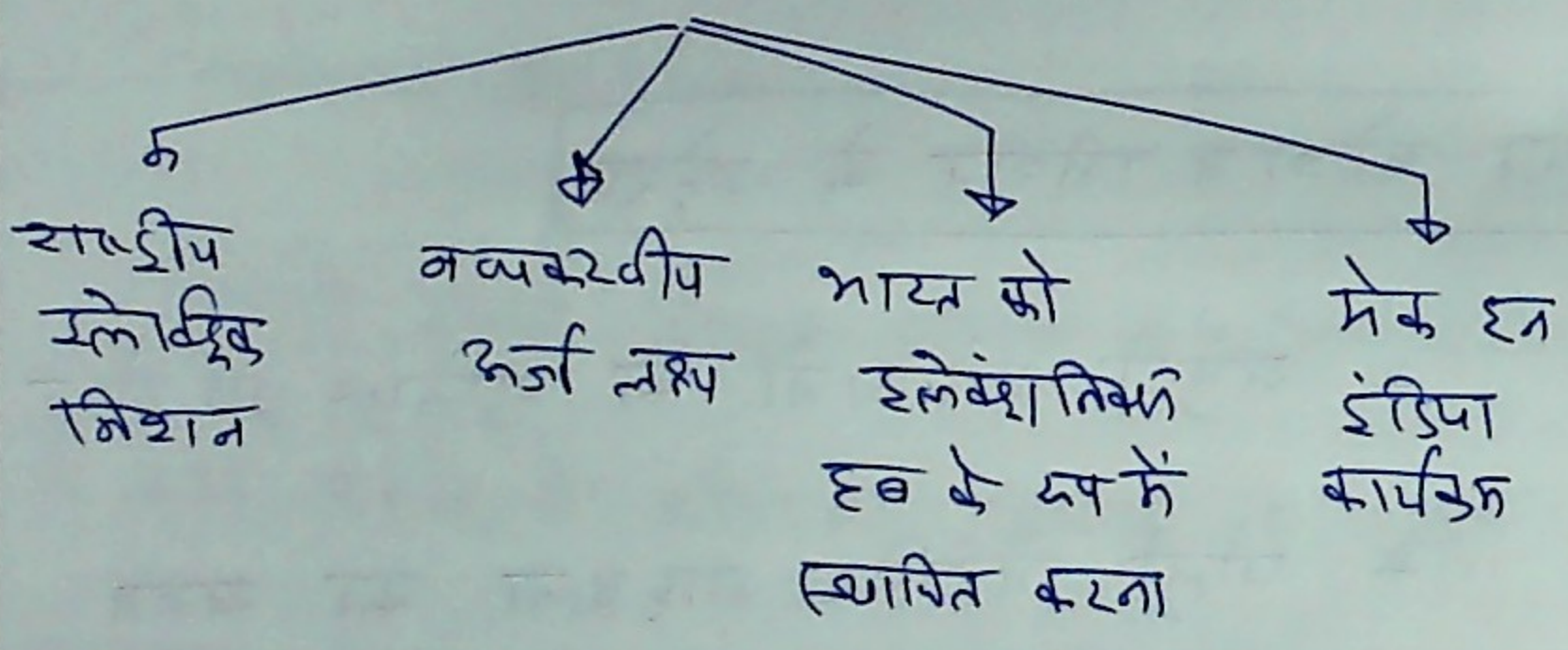

* घरेलू अर्थव्यवस्था की संवृद्धि के लिए इन संसाधनों का महत्व यथा
  - राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मिशन
  - नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य
  - भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स हब के रूप में स्थापित करना
  - मेक इन इंडिया कार्यक्रम

* भारत की हिंद महासागर में भूराजनीतिक व भू आर्थिक स्थिति इस मिशन को महत्वपूर्ण बनाती है

समुद्री तलगत संसाधनों के संधारणीय दोहन में डीप ओशन मिशन की महत्वपूर्ण भूमिका है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भू-चुंबकत्व की अवधारणा की व्याख्या कीजिये। पृथ्वी के चुंबकीय उत्तरी ध्रुव में हाल में हुए परिवर्तन/स्थानांतरण के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain the concept of geomagnetism. Discuss the impact of recent shift in the Earth's magnetic north pole. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पृथ्वी के भीतर लौह तत्वों की उपस्थिति तथा इसकी घूर्णन गति पृथ्वी को एक विशाल चुम्बक के रूप में स्थापित करती है

भू चुम्बकीय ध्रुव के प्रवसन का क्षेत्र
(0-11°)

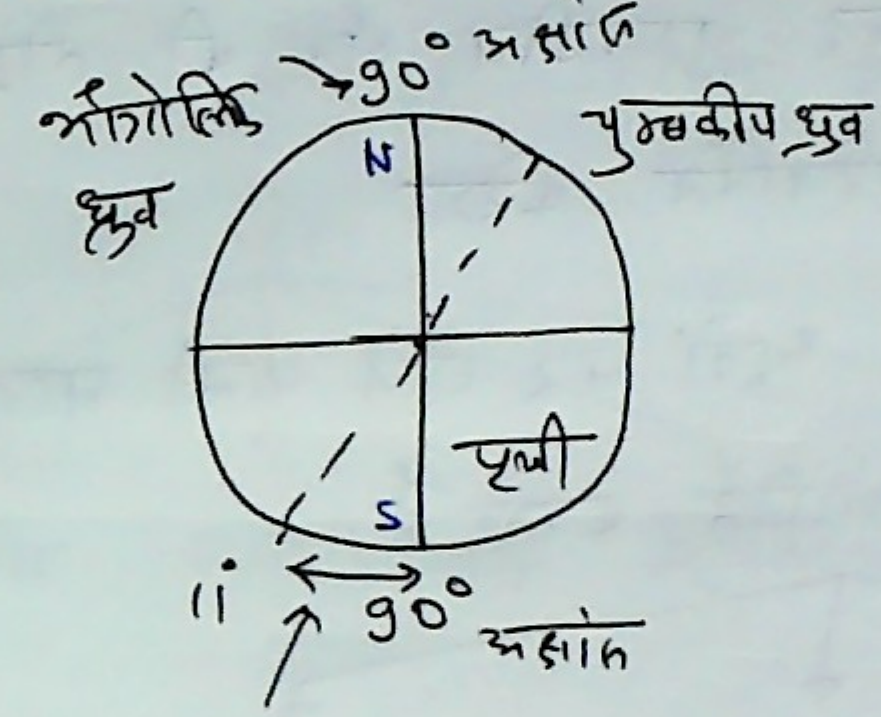

पृथ्वी की यह विशेषता भू चुम्बकत्व कहलाती है। पृथ्वी का चुम्बकीय ध्रुव

- प्रवसन करता है 0-11° के बीच
- एक दीर्घावधि में चुम्बकीय ध्रुव का व्युत्क्रमण भी होता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये।
(Candidate mu... write on this m...

हाल ही में चुम्बकीय ध्रुव में परिवर्तन हुआ

प्रभाव
- → यह चुम्बकीय ध्रुव की उत्तरी व दक्षिणी स्थिति को परिवर्तित करेगा।
- → यह चुम्बकीय क्षेत्र की तीव्रता को परिवर्तित करेगा
- → यह ध्रुवों पर होने वाली घटनाओं को प्रभावित करता है
  - ध्रुवीय जेट
  - ऑरोरा
  - ध्रुवीय कोशिका

↳ इसका प्रभाव वैश्विक वायु संचरण पर पड़ता है

भू चुम्बकत्व में परिवर्तन एक चक्रीय परिघटना है इसमें परिवर्तन पर्यावरणीय संचरण, मानसून, ध्रुवीय जेट आदि को प्रभावित करेगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. जेट प्रवाह (जेट स्ट्रीम) क्या हैं? ये भारत की जलवायु को किस प्रकार प्रभावित करती हैं? (150 शब्द) 10

What are Jet streams? How do they affect the climate of India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जेट स्ट्रीम एक वायु रश्मियों का पुंज है जो तीव्र गति से संगठित होता है यह सामान्यतः क्षोभमण्डल की सीमा पर वायुराशियों के अभिसरण क्षेत्र में उत्पन्न होता है

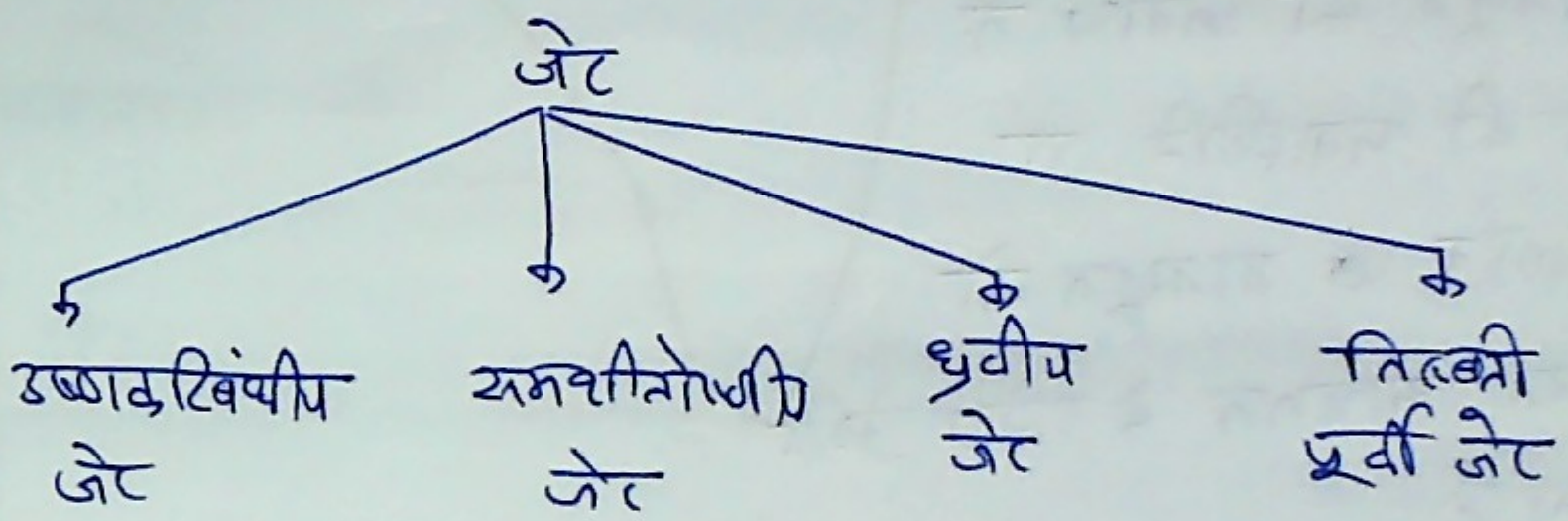

भारत की जलवायु पर प्रभाव

* तिब्बती भूमि उच्च ऊंचाई पर है। ग्रीष्म काल में गर्म होकर निम्न दाब का निर्माण कर पूर्वी जेट के माध्यम से मानसून को आकर्षित करती है

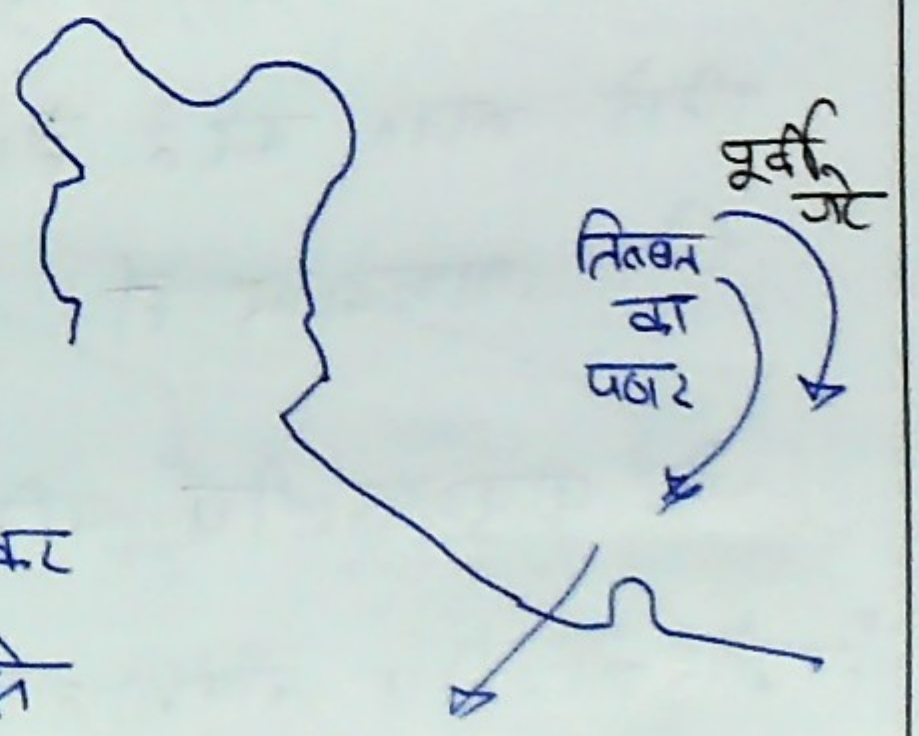

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

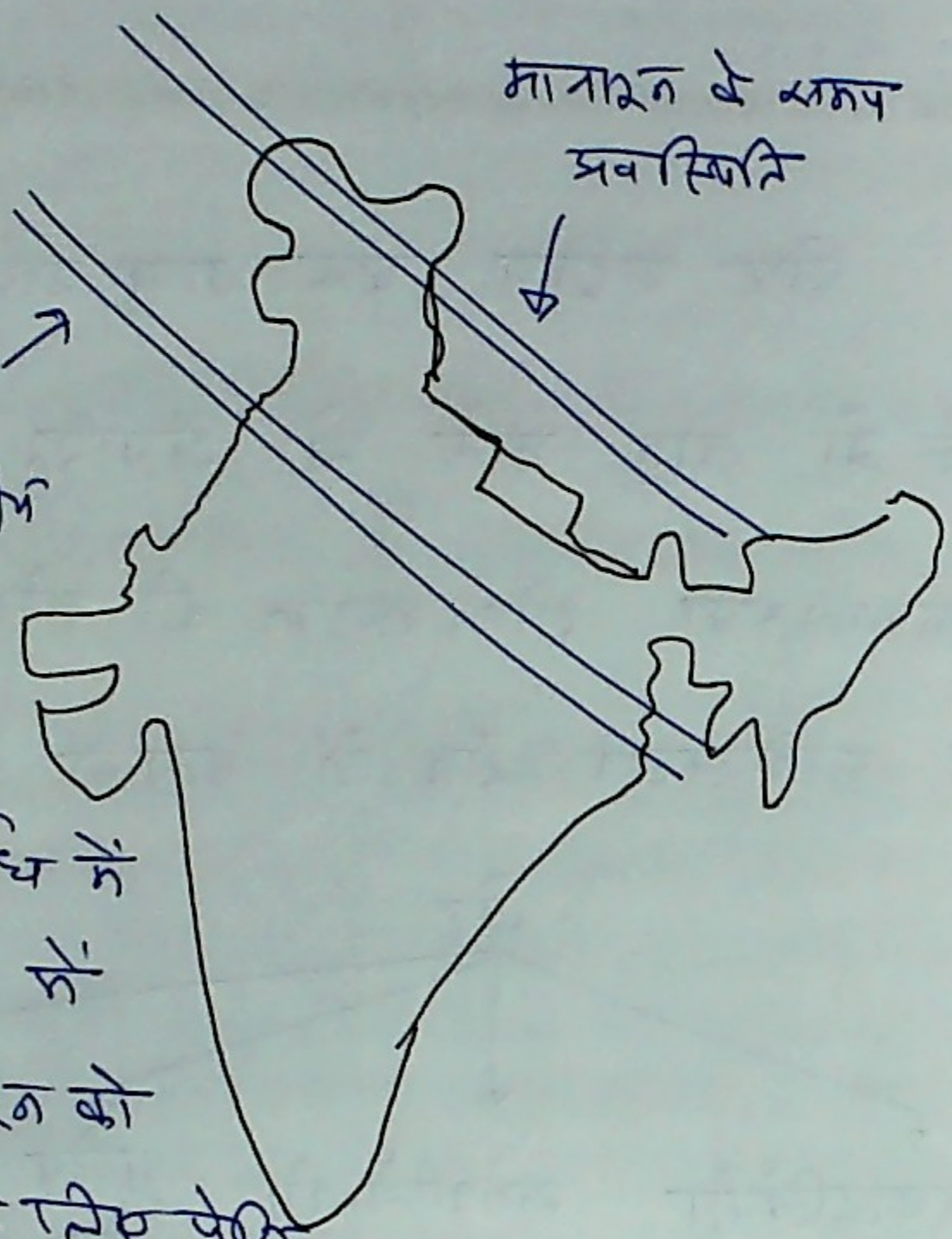

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must
write on this mar

(ii)

मानसून की अवधि में जेट की अवस्थिति में बदलाव ही मानसून को भारत आगमन के लिए प्रेरित करता है

(iii) समशीतोष्ण जेट से भूमध्यसागरीय आर्द्रता के कारण भारत में शीत ऋतु में वर्षा होती है जिसे मावठ कहते हैं। यह रबी की फसल के लिए लाभदायक है

जेट वायुमण्डलीय परिसंचरण का महत्वपूर्ण हिस्सा है जो भारतीय तापमान व मानसून को प्रभावित करती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. हिमनदों के पीछे हटने (हिमनद रिट्रीट) से आप क्या समझते हैं? हिमालयी हिमनदों के पीछे हटने से भारतीय उपमहाद्वीप पर पड़ने वाले प्रभावों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What do you understand by glacial retreat? Discuss the impact of retreating Himalayan glaciers on Indian subcontinent. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

विश्व में जल का एक बड़ा हिस्सा हिम के रूप में आवरित है। हिम का टूटकर टुकड़ो में बहना हिमनद कहलाता है। हिमनद या अपनी स्थिति में परिवर्तन हिमनदो का रिट्रीट कहलाता है

हिमालयी हिमनदों का प्रभाव

* हिमालय हिमनदो से आयत की गई महत्वपूर्ण नदियों की उत्पत्ति होती है जैसा गंगा व सहायक नदियाँ

* हिमनद रिट्रीट

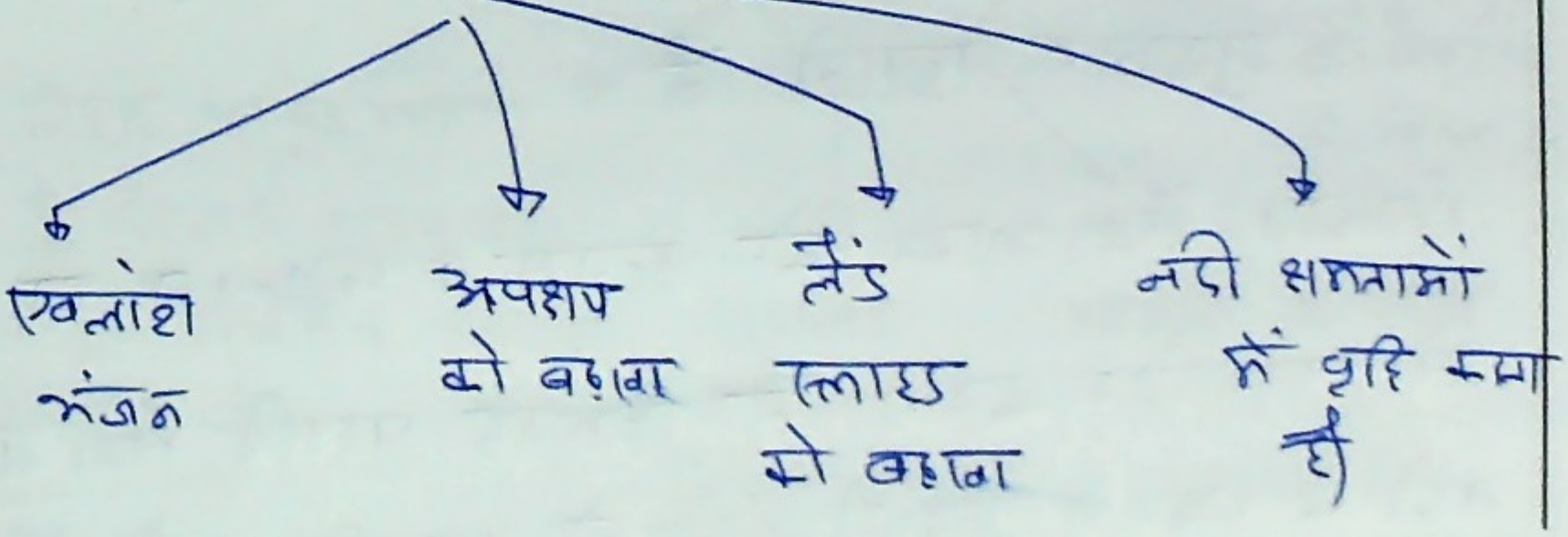

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

* लैंड स्लाइड हिमालयी राज्यों में आपदा का निर्माण करते हैं।

*

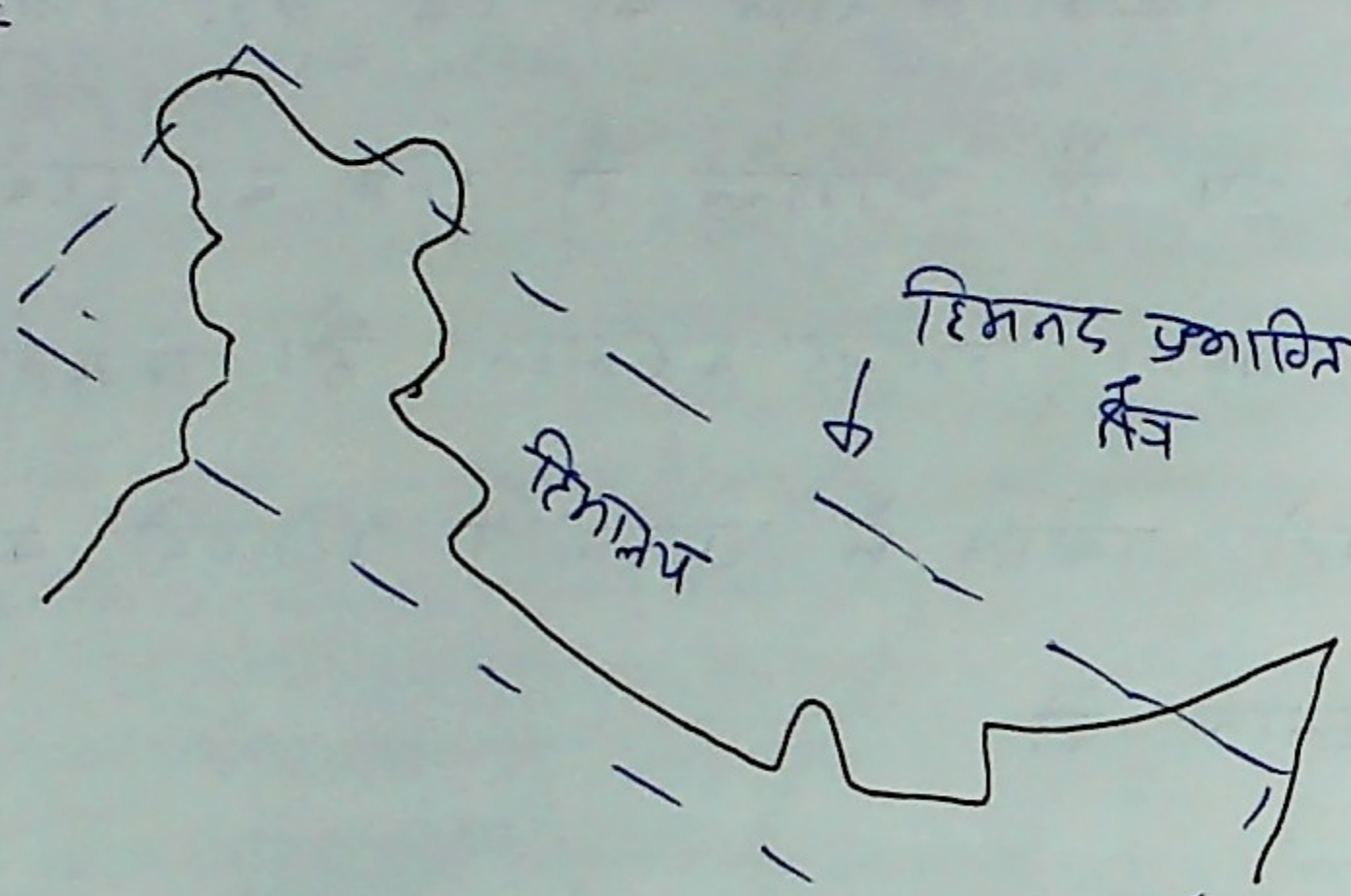

* हिमनद विघटन नदी में जल की मात्रा बढ़ाते हैं जिससे मैदानी क्षेत्रों में बाढ़ की समस्या देखने को मिलती है।

* एवलांश की घटना पारिस्थितिकी को नुकसान पहुंचाती है।

हिमालय क्षेत्र भारत को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है हिमनद पहाड़ी क्षेत्रों व नदी के रूप में मैदानी क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. आप 'धर्मनिरपेक्षता' और 'लैंगिक न्याय' के मापदंडों पर तीन तलाक विधेयक के पारित होने का परीक्षण किस प्रकार करते हैं? (150 शब्द) 10

How do you evaluate the passage of Triple Talaq Bill on the parameters of 'secularism' and 'gender justice'? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

तीन तलाक विधेयक महिलाओं के सम्मान, लैंगिक न्याय की दृष्टि से लाया गया कदम है। जो पुरुष द्वारा बिना किसी औपचारिक प्रक्रिया तथा उत्तरदायित्व के तलाक को निषेध बनाता है तथा दंड की व्यवस्था करता है

धर्मनिरपेक्षता के मापदंड पर तीन तलाक

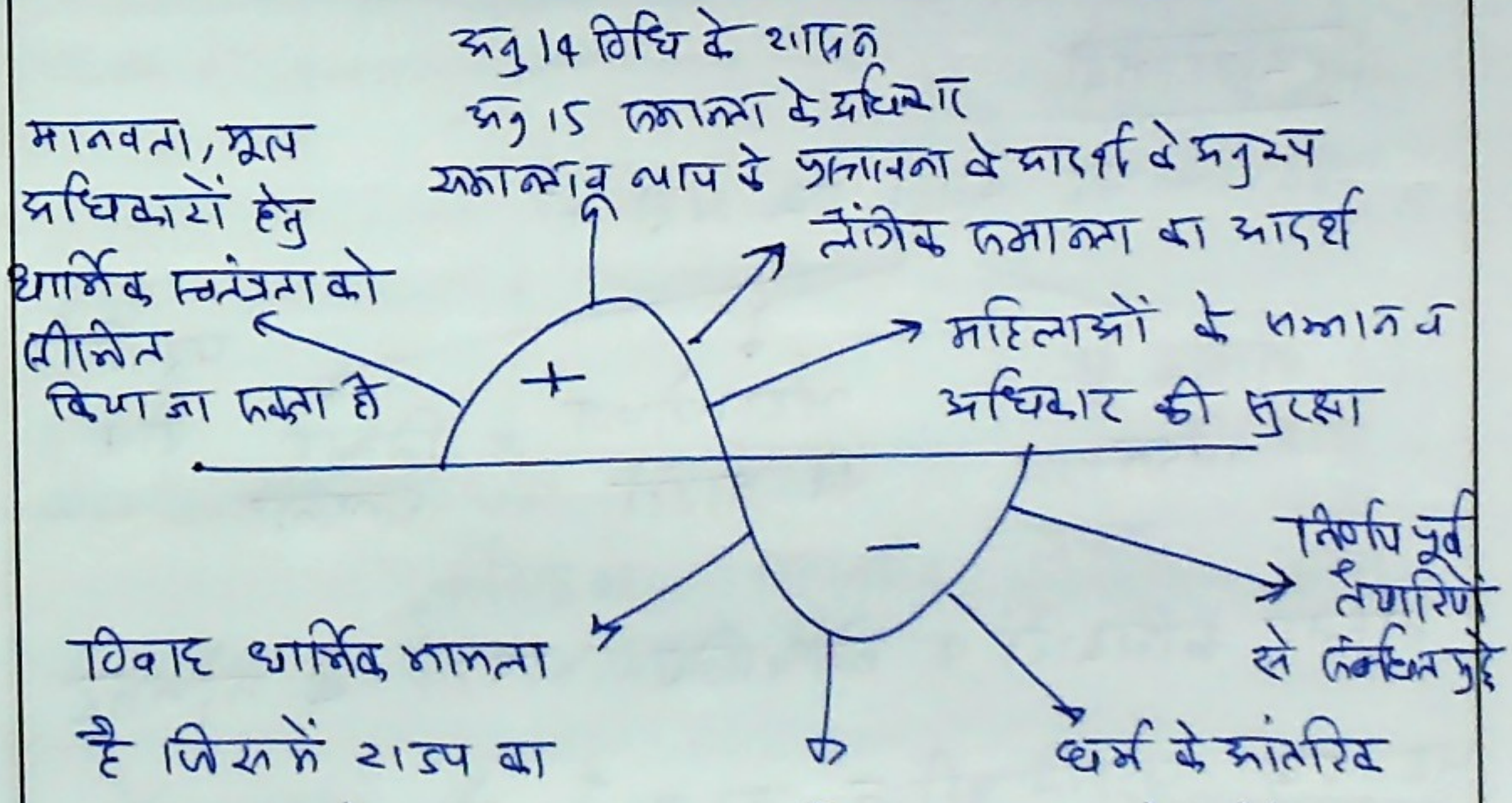

Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि चाहिये।
(Candidate must write on this mar

(11) लैंगिक न्याय के रूप में तीन तलाक

सकारात्मक

→ महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करता है

→ तलाक में मुआवजा व भरण पोषण हेतु धन उपलब्ध कराने के अधिकार को स्थापित करता है

→ विवाह व्यवस्था के अमानवीय स्वरूप का निषेध करता है

नकारात्मक

- यह केवल एक पक्ष है
  - तलाक व बिद्दत
  - भरणपोषण की गारंटी
  - निकाह हलाला — पर निर्णय शेष

महिला अधिकारों व संवैधानिक आदर्शों के मद्देनजर यह एक क्रांतिशील कदम है जो समाज में समानता स्थापित होगा तथा समान सिविल कोड की दिशा को प्रशस्त करेगा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. पारंपरिक भारतीय समाज में ऐसी कौन-सी अक्षमताएँ थीं जिनका सामना महिलाओं को करना पड़ा? उनके निवारण हेतु आधुनिक सुधार आंदोलनों द्वारा उठाए गए कदमों की विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

What were some of the disabilities from which women suffered in traditional Indian society? Discuss the steps taken by the modern reform movements for their emancipation. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यूरोपीय पुनर्जागरण की भांति भारत में धार्मिक- सामाजिक सुधार आंदोलनों की शुरुवात 19 वीं शताब्दी में हुई। इस समय समाजिक धार्मिक स्थितियों का सर्वाधिक शिकार महिलाएं थी।

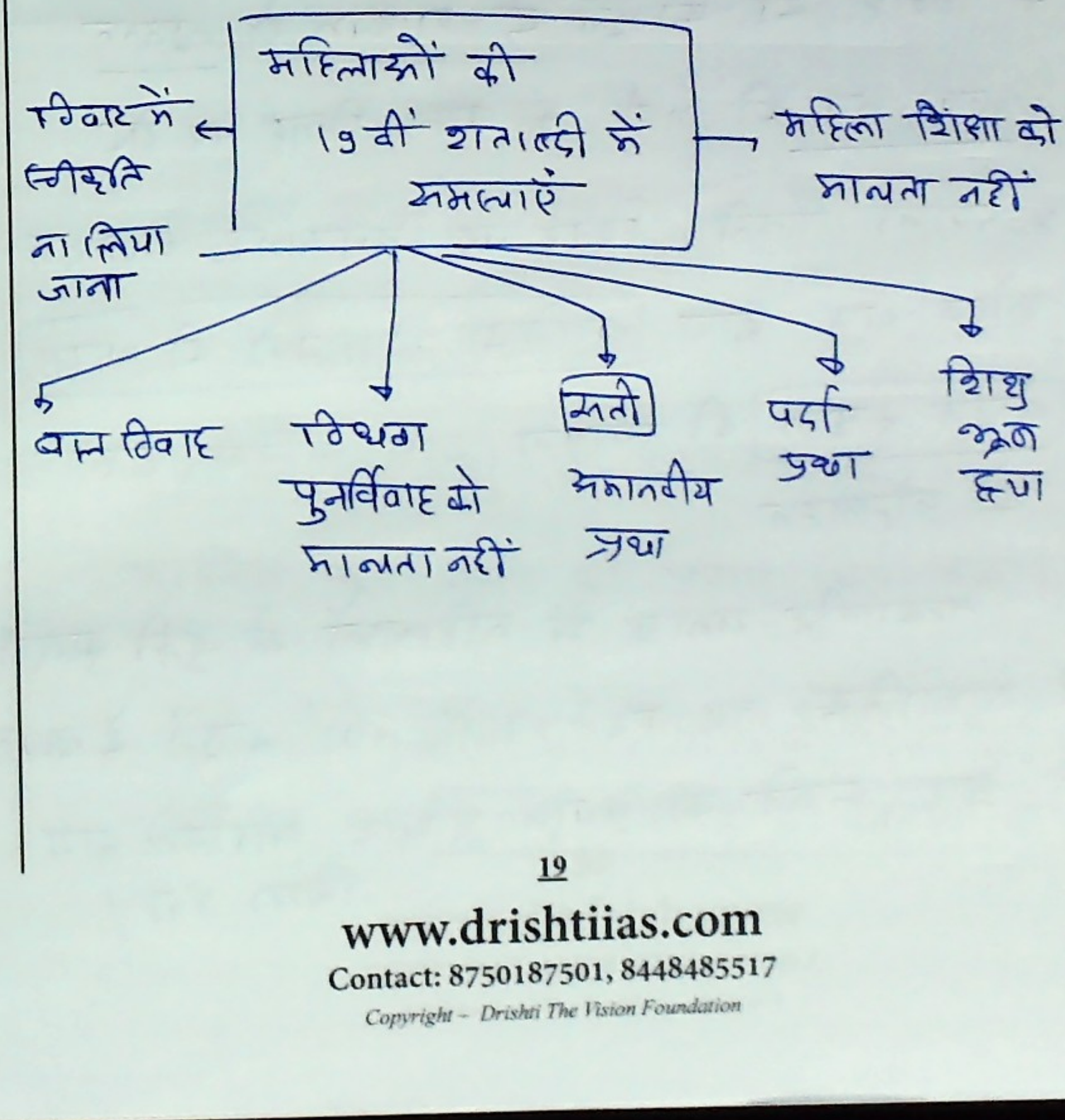

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सुधार आंदोलनों द्वारा किए गए प्रयास

* सुधार आंदोलन के प्रभावों से
1833 में शिशु भ्रूण हत्या पर रोक
↓
इसे सामान्य हत्या के समान अपराध माना गया।

* राजा राम मोहन राय के प्रयासों से सती प्रथा निषेध अधिनियम पारित हुआ तथा सती प्रथा पर रोक लगी

* विवाह की कानून के माध्यम से न्यूनतम आयु तय की गयी → बाल विवाह पर रोक

* दयानंद सरस्वती, ईश्वर चंद विद्यासागर, राजा राम मोहन राय द्वारा बालिका विद्यालयों की स्थापना, बेथुन स्कूल की स्थापना द्वारा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन

तत्कालीन समाज में महिलाओं से जुड़ी कुरीतियों को सामाजिक स्तर पर प्रयासों तथा कानूनों के माध्यम से दूर करने का प्रयास सुधार आंदोलनों द्वारा किया गया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. सांप्रदायिकता क्या है? क्या आप सहमत हैं कि सांप्रदायिकता की समस्या औपनिवेशिक शासकों की भारत को एक भेंट है? (150 शब्द) 10

What is communalism? Do you agree that the problem of communalism is a gift of colonial rulers to India? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सांप्रदायिकता दो धर्मों या आपस में धर्मों की टकराहट है। यह एक दूसरे धर्मों का अपनी जाति, व विकास व हितों में दूसरे धर्म को बाधा मानने की अवधारणा है

सांप्रदायिकता की भारत में शुरुवात अंग्रेजों की फूट डालो राज करो नीति के कारण हुई।

* अपने शासन को जमाने में हिंदू राजाओं व मुस्लिम राजाओं को आपस में लड़ाने का कार्य किया।
* बंगाल विभाजन के माध्यम से हिंदू मुस्लिम फूट डालने का प्रयास किया गया।
* मार्ले मिंटो सुधार के तहत सांप्रदायिक आधार पर पृथक निर्वाचन की व्यवस्था की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* यही बीज थे जो असहयोग आंदोलन के पश्चात् पौधे का रूप लेने लगे जिसका प्रभाव

- नेहरू रिपोर्ट का विरोध करना
- सांप्रदायिक आधार पर राज्यों की मांग
- मुस्लिम अल्पसंख्यक क्षेत्रों में आरक्षण की मांग
- केवल मुस्लिम लीग को मुसलमानों की प्रतिनिधि संस्था मानने की मांग

के रूप में दिखा

* इसका चरम रूप पृथक पाकिस्तान की मांग के रूप में दिखा जिससे

- भारत पाकिस्तान विभाजन हुआ
- विभाजन के दौरान दंगे
- ~~विभाजन~~ सांप्रदायिक आधार पर सीमाओं का निर्धारण
- आतंकवाद की भारत में शुरुआत

सांप्रदायिकता की चुनौती वर्तमान में भी मौजूद है। यह अंग्रेजी शासन की देन है इसके स्वर मुजफ्फरपुर दंगों, गुजरात दंगों के रूप में अभी भी सुनाई देते हैं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. ब्रिटिश व्यापार एवं उद्योग के हितों के तहत भारतीय अर्थव्यवस्था की अधीनता के अनेक तथा विविध परिणाम प्राप्त हुए थे। परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 15

The results of subordination of the Indian economy to the interests of British trade and industry were many and varied. Examine. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

उपनिवेशवाद की अवधारणा एक प्रभुत्ववादी

सत्ता का किसी देश पर सांस्कृतिक व

आर्थिक अधिकारों के रूप में स्थापना से ही

प्रभुत्व वादी सत्ता अपने आर्थिक हितों के लिए

उपनिवेश की अर्थव्यवस्था को गहरे स्तर पर

प्रभावित करती है जैसा ब्रिटिश द्वारा भारत में किया

- ब्रिटिश सत्ता के व्यापार व औद्योगिक नीति
  - औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप
    - कच्चा माल की उपलब्धता
    - उत्पादित माल हेतु बाजार
  - वाणिज्यिक पूंजीवाद के रूप में पूंजी का निवेश
  - अपने उद्योगों की गतिशीलता को बनाए रखना
  - व्यापार के रूप में प्रभुत्व को जारी रखना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इस व्यवस्था के परिणाम

* भारतीय अर्थव्यवस्था का केवल प्राथमिक क्षेत्र तक सीमित रह जाना

  * भारत को केवल कच्चा माल आपूर्ति केंद्र के रूप में माना गया।
    नील, कपास, जूट, आदि का उत्पादन कराया जाना

* मुक्त व्यापार नीति के माध्यम से अपने हित साधना
  - भारतीय कच्चा माल पर शुल्क कम लगाया जाना
  - उत्पादित माल के आयात पर अत्यधिक कम शुल्क
  - भारतीय उत्पादित माल पर अत्यधिक निर्यात शुल्क

प्रभाव → सस्ते उत्पादों ने भारतीय स्थानीय बाजारों को विकृत किया।
- औद्योगिक क्रांति का भारत में प्रभाव नहीं
- घरेलू वैश्विक स्तर भारतीय उत्पादों का स्थान उद्योग उत्पादों ने ले लिया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कला आधारित उद्योगों की समाप्ति

* घरेलू हस्तशिल्प उद्योग समाप्त हुए जिन पर भारत की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा निर्भर था → बेरोजगारी बढ़ी → कृषि पर दबाव बढ़ा

कारण → उद्योग द्वारा उत्पादित सस्ते माल से प्रतिस्पर्धा करने में अक्षम

कारण → राज्याश्रय की समाप्ति

* अन्य प्रभाव
  - → भारतीय पूंजी का निकास
  - → भारतीय संसाधनों का लाभ देश को नहीं मिला
  - → निर्धनता बढ़ी।
  - → भारत में औद्योगिक विकास सीमित

यद्यपि रेल का सीमित विकास हुआ किंतु वह भी ब्रिटिश हितों की पूर्ति के लिए। भारतीय अर्थव्यवस्था को ब्रिटिश नीति ने पूर्णतया विकृत किया। भारत केवल एक आपूर्ति केंद्र व उपभोग केंद्र के रूप में स्थापित होकर रह गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. ऐसी कौन-सी परिस्थितियाँ थीं जिन्होंने 19वीं शताब्दी में साम्राज्यवाद के विकास में सहायता प्रदान की? साथ ही एक साम्राज्यवादी राष्ट्र के रूप में जापान के उद्भव पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

What were the conditions that helped the growth of imperialism in the 19th century? Also discuss the evolution of Japan as an imperialist power. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

साम्राज्यवाद अपनी सैन्य, आर्थिक ताकत के माध्यम से अपने क्षेत्र, संप्रभुता तथा आधिपत्य का विस्तार है। 19 वीं शताब्दी में साम्राज्यवाद का दौर चला।

परिस्थितियाँ

* औद्योगिक क्रांति का समय
  - कच्चे माल की उपलब्धता
  - बाजार की आवश्यकता

हेतु बड़ी शक्तियों को अपने साम्राज्य विस्तार की आवश्यकता महसूस हुई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(11) प्रभुत्वशाली शक्तियों का उदय

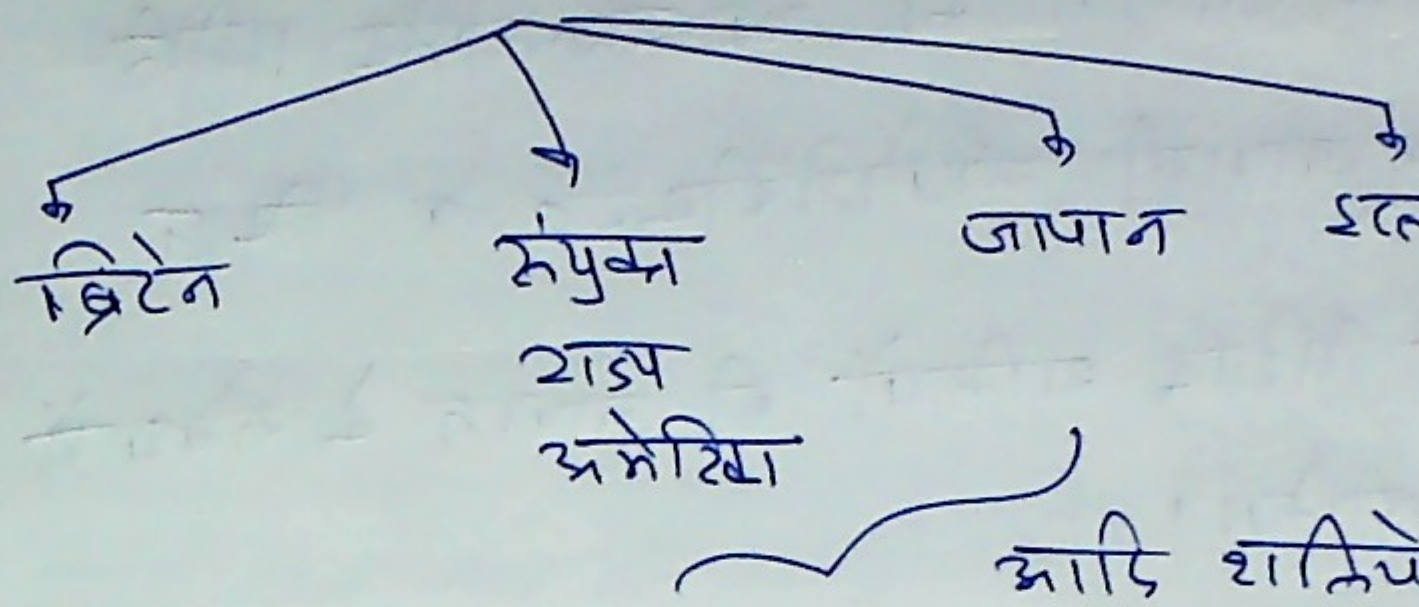

जापान का उद्भव

* जापान इससे पहले तक बंद अर्थव्यवस्था के रूप में था जो आंतरिक स्तर पर सीमित विकास के चरणों में था

* बंद अर्थव्यवस्था से पूंजी अर्थव्यवस्था के रूप में बदलाव के पश्चात जापान एक शक्ति के रूप में उभरा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कारण

* जापान की मानव पूंजी
* जापान की भू राजनीतिक स्थिति
* जापानी औद्योगीकरण व विकास
* वैश्विक शक्तियों की जापान के संबंध में नीतियाँ।

जापानी शक्ति का उद्भव का महत्व इस प्रकार लगाया जा सकता है कि विश्व युद्ध के दौरान & जापान एक प्रभुत्वशाली शक्ति के रूप में उभर चुका था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. रूसी क्रांति के क्या कारण थे? साथ ही भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर रूसी क्रांति के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

What were the causes of the Russian Revolution? Also discuss the impact of the Russian Revolution on Indian National Movement. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) का एक महत्वपूर्ण प्रभाव रूसी क्रांति (1917) के रूप में हुआ। रूस एक साम्यवादी शासन के रूप में स्थापित हुआ। इससे पहले यहाँ पर राजशाही था।

कारण
- अमेरिकी व फ्रांस की क्रांति के आदर्श
- जार की निरंकुश नीतियाँ तथा अकर्मण्यता
  - जनता जार की नीतियों से परेशान थी
- प्रथम विश्व युद्ध में रूस की भागीदारी
  इसने आर्थिक स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित किया
- बुद्धिजीवियों की भूमिका

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1917 में हुई रूस की क्रांति ने भारत को भी प्रभावित किया। भारत में समाजवाद का आगमन हुआ।

* 1917 की रूसी क्रांति ने भारतीयों में एक नई ऊर्जा का संचार किया जिसे असहयोग आंदोलन में देखा जा सकता है

* भारत की स्वराज व बाद में स्वराज्य, डोमिनियन स्टेट्स की मांग को तेजित किया।

* भारत में समाजवादी विचारधारा का आगमन हुआ। क्रांतिकारी आतंकवाद रूसी क्रांति की प्रेरणा ही थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में समाजवाद का प्रभाव

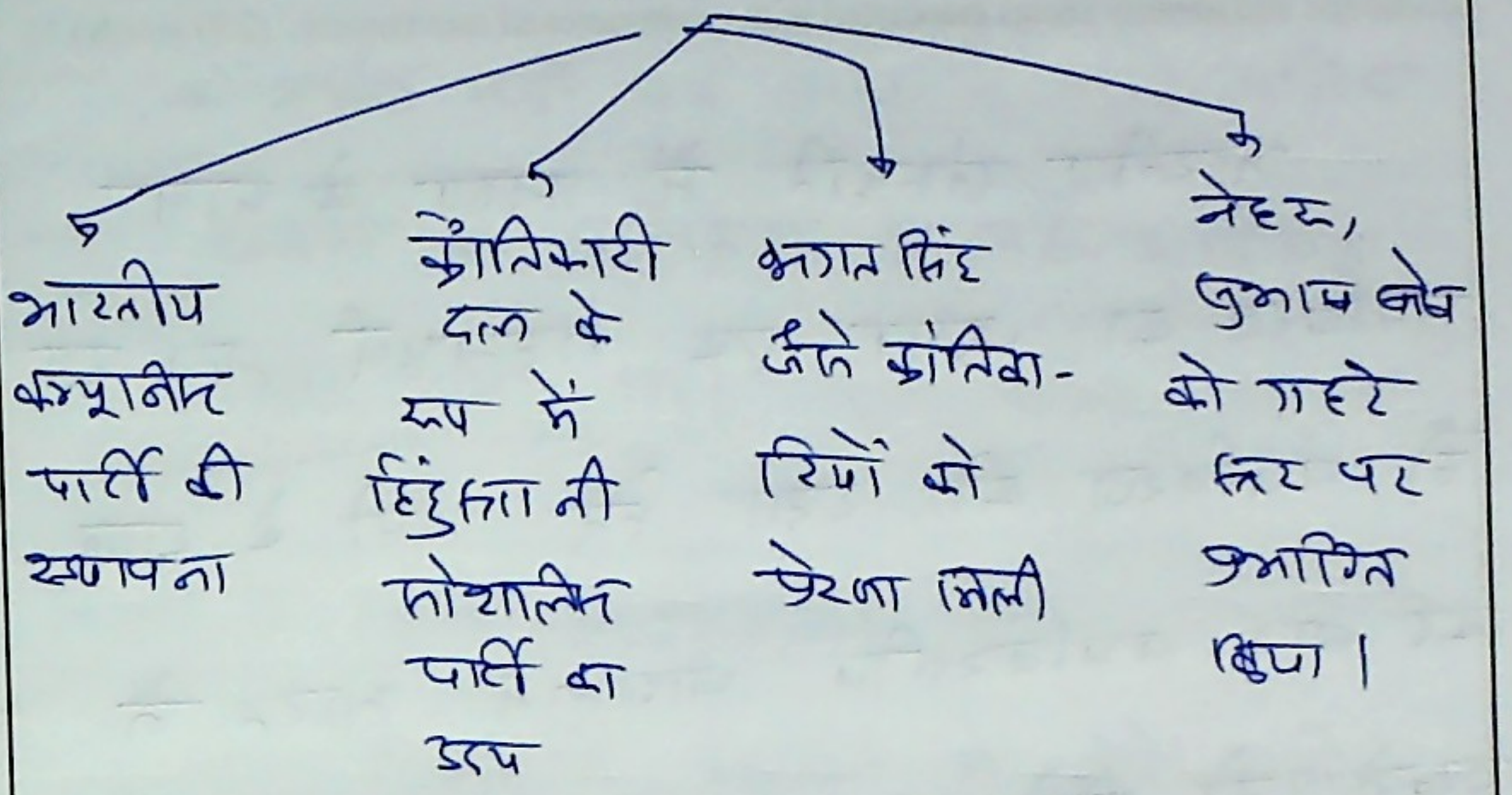

- भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना
- क्रांतिकारी दल के रूप में हिंदुस्तानी सोशलिस्ट पार्टी का उदय
- भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों को प्रेरणा मिली
- नेहरू, सुभाष बोस को गहरे स्तर पर प्रभावित किया।

* पर समाजवाद का प्रभाव नेहरू रिपोर्ट के समय देखा गया। तथा बाद में उद्देशिका पर देखा गया।

* भारतीय प्रस्तावना में सामाजिक न्याय, समाजवादी कल्याणकारी राज्य के आदर्श रूसी क्रांति की देन है

वैश्विक परिघटनाओं से भारत अछूता नहीं था। रूसी क्रांति ने भी भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को तात्कालिक रूप से व संपूर्ण रूप में भारत को दीर्घकालिक रूप से प्रभावित किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. भारत में हुई प्रमुख पर्यावरणीय गतिविधियों पर प्रकाश डालिये। इसके अतिरिक्त पर्यावरणीय गतिविधियों से जुड़े आर्थिक और समरूपता संबंधी मुद्दों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Throw light on the major environmental movements witnessed in India. Also, discuss the economic and identity issues associated with environmental movements. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय संस्कृति में मनुष्य के साथ पर्यावरण का जुड़ाव एक महत्वपूर्ण तत्व रहा है। पर्यावरण की रक्षा हेतु इसी के साथ कई बार पर्यावरणीय आंदोलन भारत में देखने को मिले -

चिपको आंदोलन

- उत्तराखंड में यह आंदोलन वृक्षों को कटने से बचाने के लिए किया गया
- राजस्थान के विश्नोई समाज द्वारा भी इसी प्रकार की प्रक्रिया की गई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

② नर्मदा बचाओ आंदोलन

* नर्मदा नदी पर बांध से पारिस्थितिकी खतरों की प्रतिक्रिया में यह आंदोलन किया गया था।

दिल्ली में उद्योगों के खिलाफ

दिल्ली में उद्योगों में होने वाले प्रदूषणों के कारण सामान्य जीवन पर प्रभाव के कारण जन आंदोलन देखने को मिला

* राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण ने इन सभी उद्योगों को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया।

कुडनकुलम नाभिकीय संयंत्र के विरोध में

* तमिलनाडु में संयंत्र व मानवीय

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सुरक्षा की मांग को लेकर यह आंदोलन किया गया था।

इन सभी के अतिरिक्त दिल्ली में व अलवर में गंगा बचाओ व गंगा पुनरुद्धार आंदोलन देखने को मिले हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. शिमला समझौते के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? क्या आप सहमत हैं कि इस समझौते ने भारत के लक्ष्यों को पूरी तरह से प्राप्त नहीं किया? (250 शब्द) 15

What are the key principles of Simla Agreement? Do you agree that this Agreement did not fully achieve India's objectives? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत जब युद्ध की समाप्ति के पश्चात्

दोनों देशों द्वारा शिमला में एक समझौता (1972) हुआ जिसे शिमला समझौता कहा गया।

बांग्लादेश में भारत द्वारा मुक्ति सेना भेज स्वतंत्र कराया गया था।

भारत की ओर से इंदिरा गांधी व पाकिस्तान की ओर से जुल्फिकार अली भुट्टो द्वारा यह समझौता किया गया था।

शिमला समझौते के सिद्धांत

* संघर्ष विराम को मान्यता दी गयी।
* बांग्लादेश को एक अलग देश के रूप में मान्यता दी गयी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* दोनों देशों द्वारा अपनी सीमाओं का एक दूसरे के हितों के विरुद्ध उपयोग न होने देने का आश्वासन दिया गया।

* पाकिस्तान द्वारा घुसपैठियों के माध्यम से आतंकी गतिविधियों का संचालन न करने की घोषणा की गयी।

समझौते में भारत के लक्ष्य

- बांग्लादेश को अलग देश के रूप में मान्यता दिलवाना
- भारतीय सीमाओं को सुरक्षित बनाना
- भारत में आतंकी गतिविधियों को रोकना
- बाह्य संचालित गतिविधियों से देश को सुरक्षित रखना।

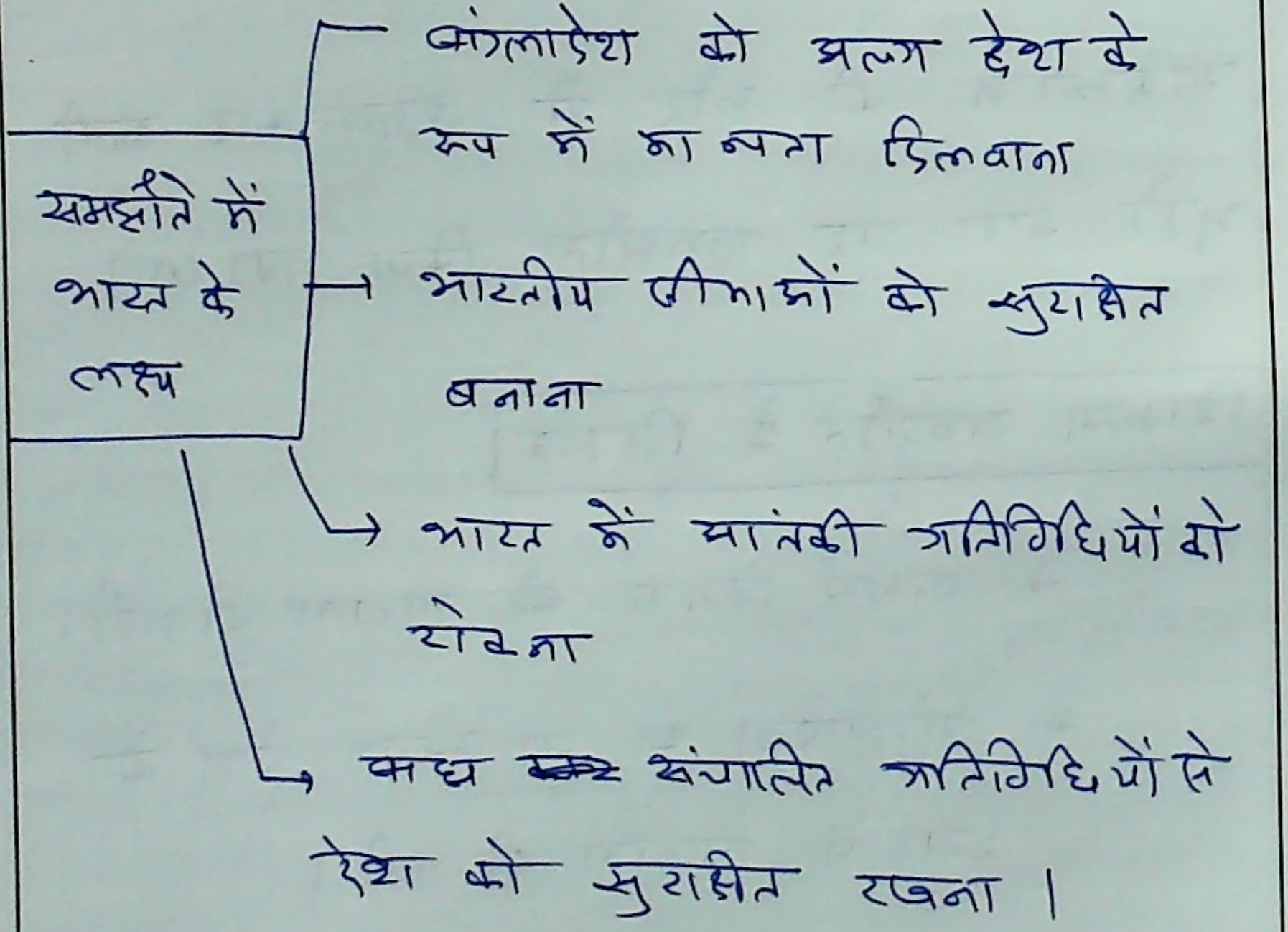

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

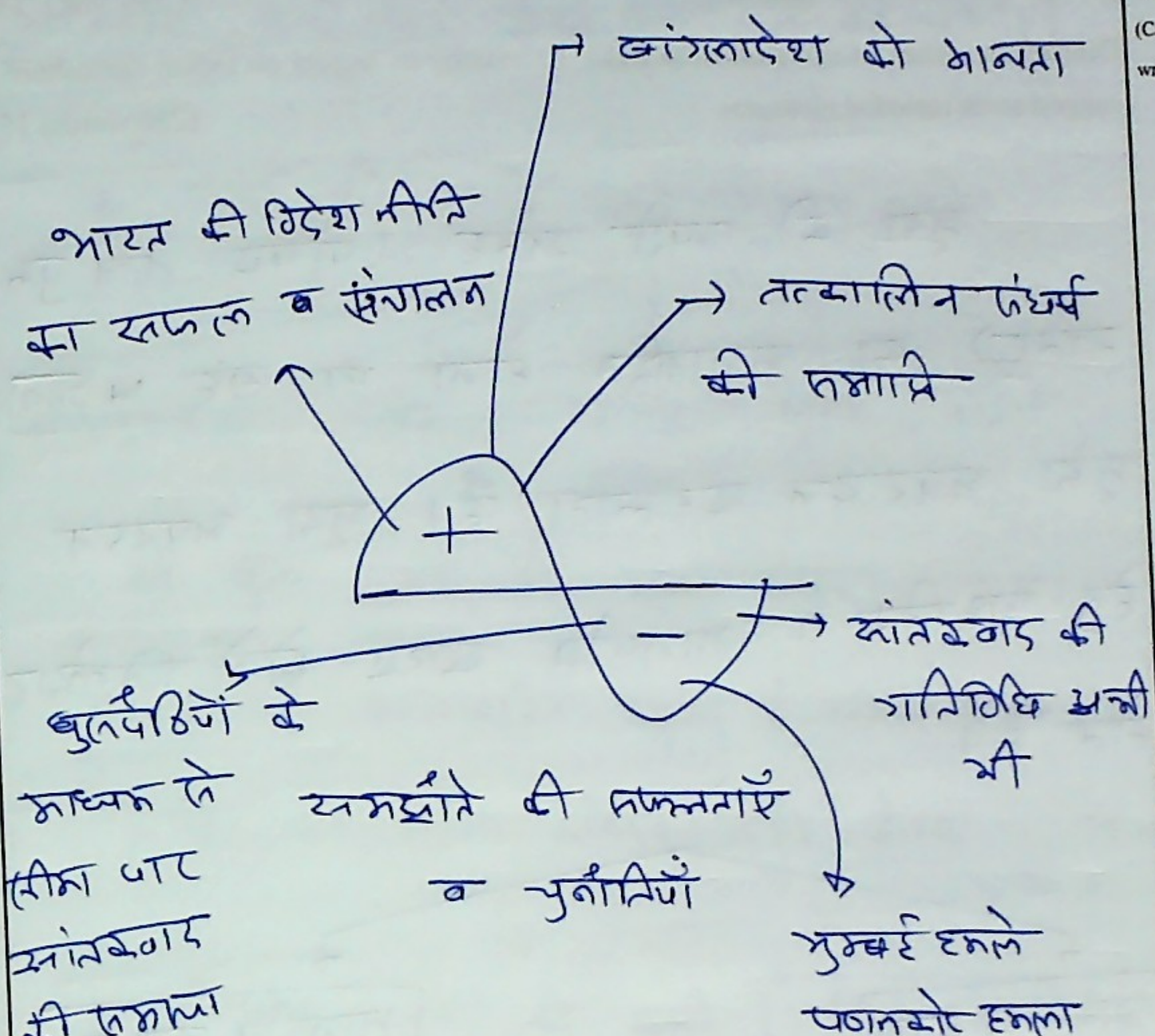

यद्यपि शिमला समझौता उस समय की परिस्थितियों में एक महत्वपूर्ण सूत्र था किंतु पाकिस्तान द्वारा समय समय पर समझौते की शर्तों का उल्लंघन इस समझौते * पर प्रश्न चिह्न लगाता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. भारत में मृदा अपरदन के कारणों की विवेचना कीजिये। भारतीय कृषि पर इसके प्रभाव का परीक्षण करते हुए कुछ सुधारात्मक उपाय सुझाइये। (250 शब्द) 15

Discuss the causes of soil erosion in India. Examining its impact on Indian agriculture, suggest some remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

मृदा की उपरी सतह (पोषक तत्व पुक्त सतह) का अनावरित होना या बह जाना मृदा अपरदन कहलाता है। मृदा अपरदन हेतु प्राकृतिक व मानवीय कारक दोनों जिम्मेदार होते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय कृषि पर मृदा अपरदन का प्रभाव

* मृदा की ऊपरी सतह पोषक तत्वों

  → नाइट्रोजन
  → पोटेशियम
  → खनिज लवण
  → ह्यूमस
  → आर्द्रता

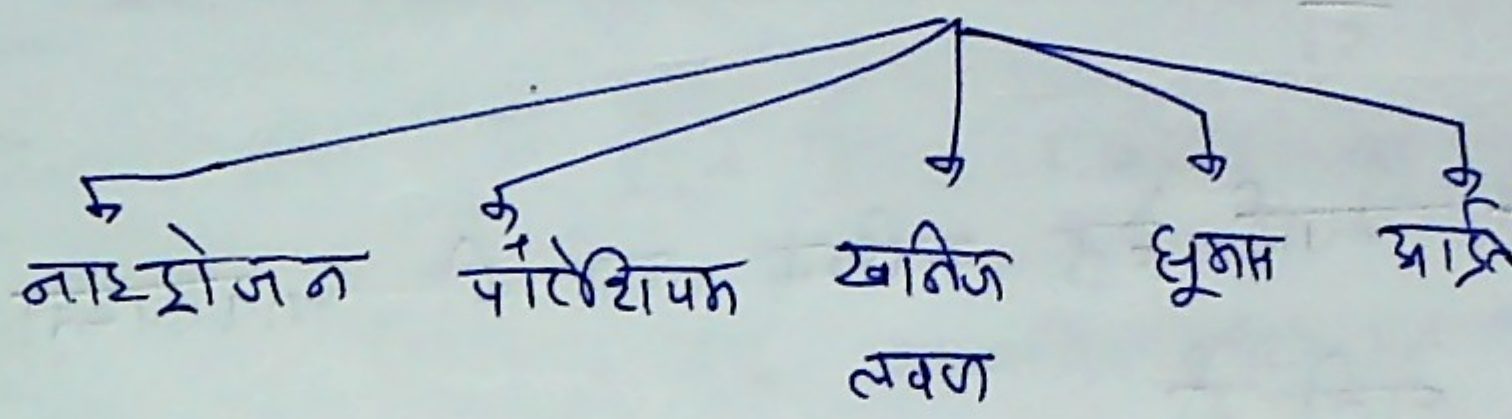

  से युक्त होती है। मृदा अपरदन ऊपरी सतह को अनावरित करता है जिस पर कृषि कर पाना संभव नहीं होता

* पोषक तत्वों की कमी उर्वरकों के उपयोग को बढ़ा देता है

  ↓

  कृषि की लागत में वृद्धि होती है

* रिल अपरदन, सतह अपरदन उत्खात भूमि को जन्म देती है जो कृषि योग्य नहीं होती। उदा. ~~[illegible]~~ चम्बल यमुना उत्खात भूमि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* मृदा की उत्पादक क्षमता कमजोर होती है जिससे कृषि उत्पादकता में कमी आती है।

* सिंचाई हेतु अधिक जल की आवश्यकता होती है।

* निम्न पोषक तत्व वाली मृदा फसल को आपदा के प्रति अधिक सुभेद्य बनाती है।

* उत्पादित फसलों में भी पोषक तत्वों की कमी होती है जिसका प्रभाव पोषण पर पड़ता है।

मृदा का निर्माण हजारों वर्षों की प्रक्रिया के माध्यम से होता है। मृदा अपरदन कृषि को गहरे स्तर पर प्रभावित करता है जिससे पर्यावरणीय, पारिस्थितिक, आर्थिक चुनौतियाँ उत्पन्न होती हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक कौन-से हैं? भारत में सूती वस्त्र उद्योग की अवस्थिति के लिये उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालिये। (250 शब्द) 15

What are the various factors which affect location of industries? Highlight the factors responsible for location of cotton textile industry in India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उद्योग किसी भी राष्ट्र की अर्थव्यवस्था के विकास की धुरी होते हैं। उद्योगों का विकास देश को दीर्घकाल तक प्रभावित करता है। उदा. इंग्लैंड व अमेरिका में औद्योगिक विकास भारत की तुलना में काफी पहले हुआ। भारत विकासशील देश जबकि वे विकसित देश।

उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक

(i) कच्चा माल

* भारी कच्चे माल वाले उद्योगों में निर्णायक तत्व

उदा. लौह इस्पात उद्योगों की अवस्थिति लौह अयस्क खनन व कोयला खनन अवस्थिति क्षेत्रों में छोटा नागपुर का पठार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(2) परिवहन ,बंदरगाह, रेल, नदी

सस्ता परिवहन उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करता है

- बंगाल में लौह इस्पात उद्योगों में परिवहन हेतु हुगली नदी

(3) सस्ता श्रम उदा. बंगाल व छोटा नागपुर उद्योग

(4) बाजार उदा. मुम्बई में उद्योग

(5) सरकारी नीतियाँ

- SEZ
- क्लस्टर निर्माण
- फूड पार्क
- उत्कृष्टता केंद्र

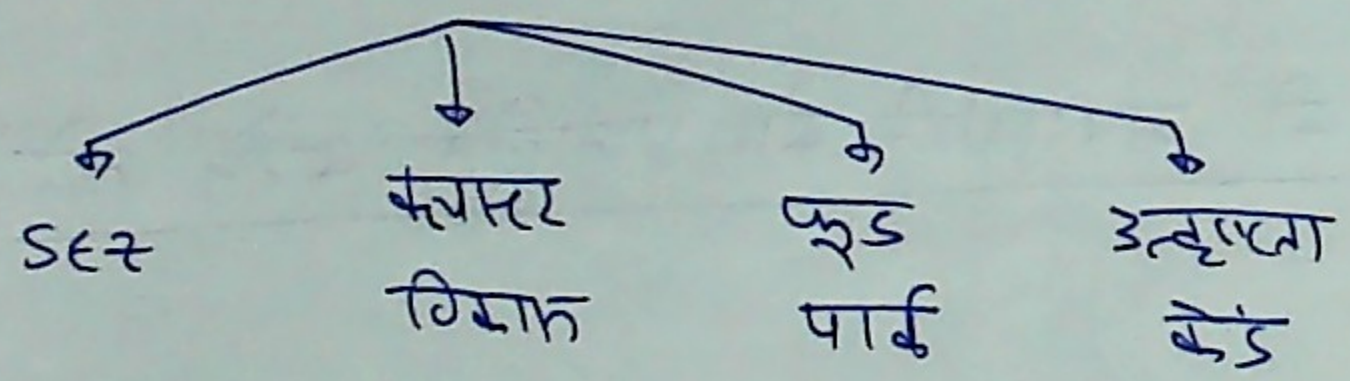

(6) संकुल की अवधारणा

परस्पर उद्योगों के उत्पादों निर्भरता

सूती वस्त्र उद्योग की अवस्थिति के कारक -

(1) कच्चा माल - कच्चा माल कपास

- मध्य भारतीय क्षेत्र में उत्पादित

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) बाजार

उत्पादित माल हेतु बाजार की आवश्यकता
मुम्बई, कोलकाता

(iii) परिवहन

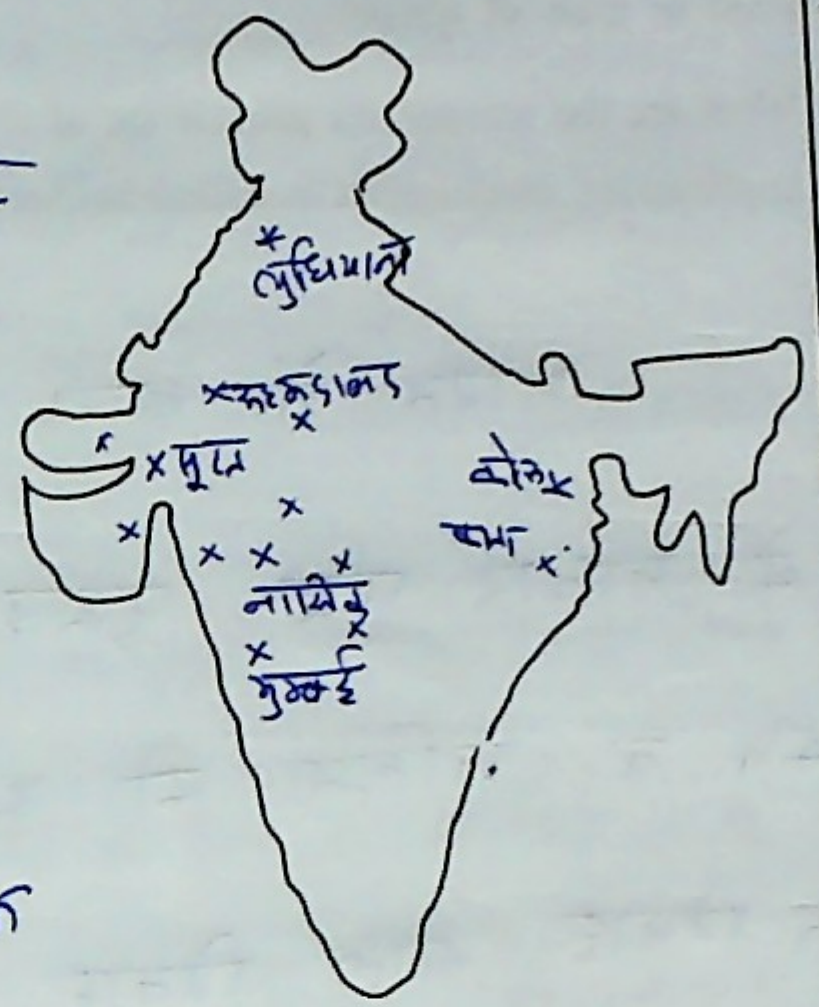

- कच्चे माल परिवहन
- उत्पादित माल परिवहन
- निर्यात
  - मुम्बई से निर्यात

भारत के सूती वस्त्र उद्योग क्षेत्र

(iv) श्रम

- मुम्बई में प्रवासित सस्ते श्रम की उपलब्धता।

(v) विद्युत आपूर्ति

सस्ती व निरन्तर विद्युत आपूर्ति की आवश्यकता

भारत में सूती वस्त्र उद्योग औपनिवेशिक काल से प्रभावित है। बाद में उद्योगों व सरकारी नीतियों ने इसके विकेंद्रीकरण को प्रोत्साहित किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

18. भारत में बाल विवाह के प्रसार के क्या कारण हैं? इसके निहितार्थों पर चर्चा करते हुए इस प्रथा पर रोक लगाने के उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the reasons for prevalence of child marriages in India? While discussing its implications, also suggest measures to check this practice. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में बाल विवाह निषेध अधिनियम के आधार पर पुरुष की आयु 21 वर्ष से कम व महिला की आयु 18 वर्ष से कम के विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आते हैं।

बाल विवाह के कारण

सामाजिक कारण

* बाल विवाह पुराने समय से चली आ रही परम्परा जिसका कुछ रूढ़िवादियों द्वारा अभी भी पालन
* अशिक्षा — शिक्षा का निम्न स्तर इसके नकारात्मक प्रभावों व दण्डात्मक प्रावधानों से अनजान बनाता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

— आर्थिक कारण

- भविष्य में अधिक दहेज की मांग का भय

→ सांस्कृतिक कारण

- महिलाओं के प्रति नकारात्मक रवैया व एक बोझ के रूप में समझा जाना

→ गरीबी

- निर्धन समुदायों में यह अधिक देखने को मिलता है

→ कानूनों का अप्रभावी क्रियान्वयन

- बाल विवाह अधिनियम (निषेध) का कार्यान्वयन कठोर स्तर पर नहीं हो पाया है

निहितार्थ

* बच्चों का शारीरिक मानसिक विकास अवरुद्ध
* बालिका के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* उत्पादक क्षमता, रोजगार, शिक्षा पर नकारात्मक प्रभाव
* देश के मानव संसाधनों का क्षय

रोकने के उपाय

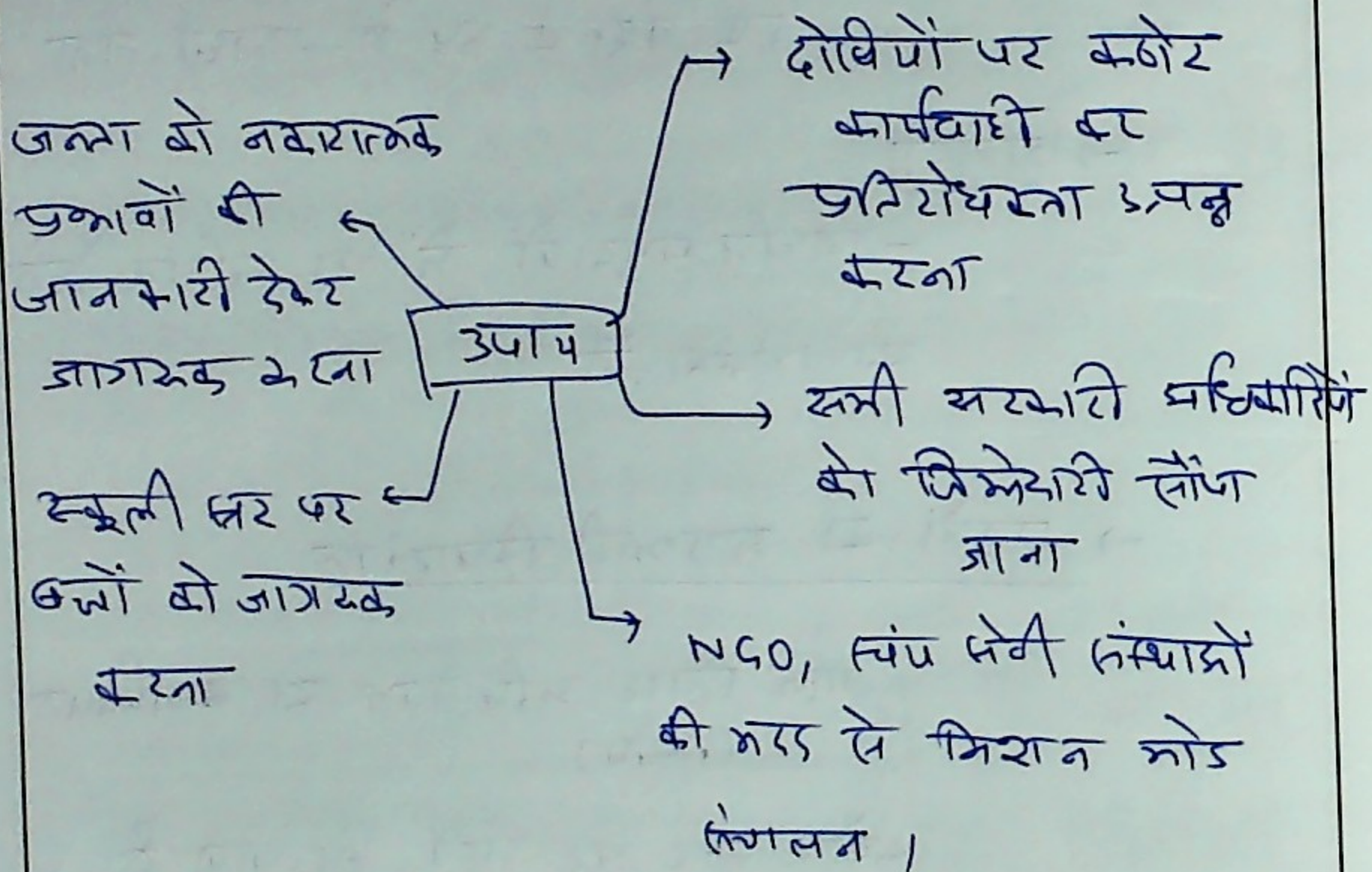

बाल विवाह न केवल बच्चों से उनका बचपन छीनकर भविष्य खराब करता है बल्कि यह देश के भविष्य की मानव पूंजी को भी प्रभावित करता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. सुपरिष्कृत संवैधानिक तथा कानूनी उपायों के बावजूद भारत में आज भी अस्पृश्यता विद्यमान है। अस्पृश्यता उन्मूलन में भारत को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है? (250 शब्द) 15

Despite elaborate Constitutional and legal measures in place, untouchability continues to persist in India even today. What are the challenges faced in eradication of untouchability in India? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अस्पृश्यता एक सामाजिक बुराई है जिसका कारण सामाजिक स्तरीकरण है जिसमें कुछ समुदायों को निम्न मानकर उन्हें अलग किया गया।

ब्राह्मण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र

आदर्श व्यवस्था

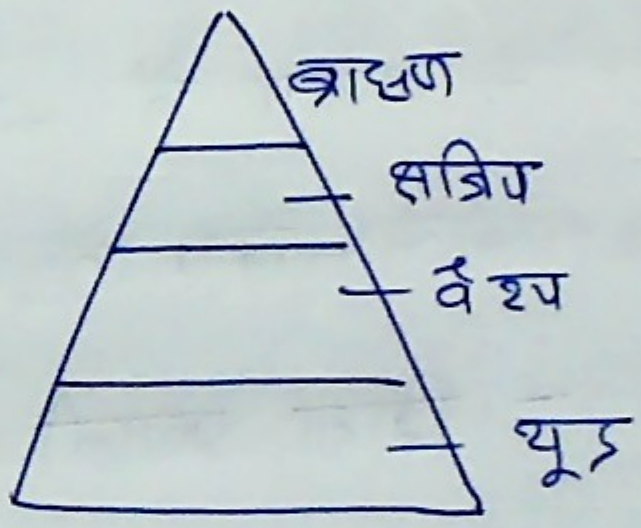

वर्तमान व्यवस्था

इसको रोकने के लिए प्रावधान

संवैधानिक प्रावधान

Art 17 अस्पृश्यता का निवारण

Art 14 विधि के समक्ष समानता

Art 15 - समानता का अधिकार सार्वजनिक स्थलों पर विभेद की ~~[illegible]~~

कानूनी प्रावधान

- एट्रोसिटीज एक्ट के तहत सुरक्षा
- ~~अ.~~ जनजातीय सुरक्षा कानून

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संवैधानिक व्यवस्था तथा कानूनी प्रावधानों के बावजूद NCRB की रिपोर्ट के मुताबिक कई मामले पिछले कुछ वर्षों में देखे गए हैं।

कारण

- अभी भी रूढ़िगत सामाजिक दृष्टिकोण
- जनता में कानूनों संवैधानिक आदर्शों के संबंध में जनजागरुकता का अभाव
- शिक्षा प्रणाली में संवेदनशीलता का अभाव

अस्पृश्यता उन्मूलन में चुनौतियाँ

* ग्रामीण स्तर पर अभी भी सामाजिक स्तरीकरण की व्यवस्था लागू
* रूढ़िवादी प्रवृत्तियों की उपस्थिति
* सरकारी तंत्र में संवेदनशीलता का अभाव

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

* कानूनों का अप्रभावी क्रियान्वयन

* जनजातियों का पृथक्करण शेष समाज से जुड़ने से रोकता है

* विशेष व्यवसायों यथा सफाई, मैला धोना से समुदायों को बाहर निकाल पाने में राज्य की असमर्थता ने इसे बढ़ाया है

* दोषियों पर कठोर कार्यवाही ना किया जाना

अस्पृश्यता एक सामाजिक बुराई है। एक प्रगतिशील समाज में ऐसी बुराईयों को तुरंत समाप्त किया जाना चाहिए। इस हेतु सामाजिक स्तर पर व कानून स्तर पर प्रयासों की आवश्यकता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

20. भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के लिये कौन-से विभिन्न कारक उत्तरदायी हैं? नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बहुआयामी प्रभावों की चर्चा कीजिये और उपचारात्मक उपाय भी सुझाइये। (250 शब्द) 15

What are the various factors responsible for drug abuse in India? Discuss the multidimensional impact of drug abuse and also suggest remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

नशीली दवाओं का उपयोग व्यक्ति की शारीरिक क्षमता को सीमित करता है साथ ही मानसिक विकास को अवरुद्ध करता है। युवाओं में इसका बढ़ता उपयोग मानव पूंजी के लिए खतरे के रूप में देश के लिए चिंता का विषय बनाती है

एक सर्वेक्षण के अनुमानित 25-30%. जनसंख्या नशे का शिकार है

नशीली दवाओं के दुरुपयोग के कारण

* भारत की अवस्थिति
  - गोल्डन ट्रायएंगल
  - गोल्डन क्रिसेंट के बीच इसकी उपलब्धता को आसानी से सुनिश्चित करती है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

* भारत के छिद्रित बॉर्डर व तस्करी इसकी पूर्ति पक्ष को सुनिश्चित करते हैं।

* युवाओं में बढ़ता अवसाद
  - शिक्षा का दबाव
  - अति महत्वाकांक्षी लक्ष्य
  - माता पिता का नैतिक दबाव
  - जॉब में दबाव
  - संबंधों के स्तर पर टूटन

इसके उपयोग को प्रेरित करता है।

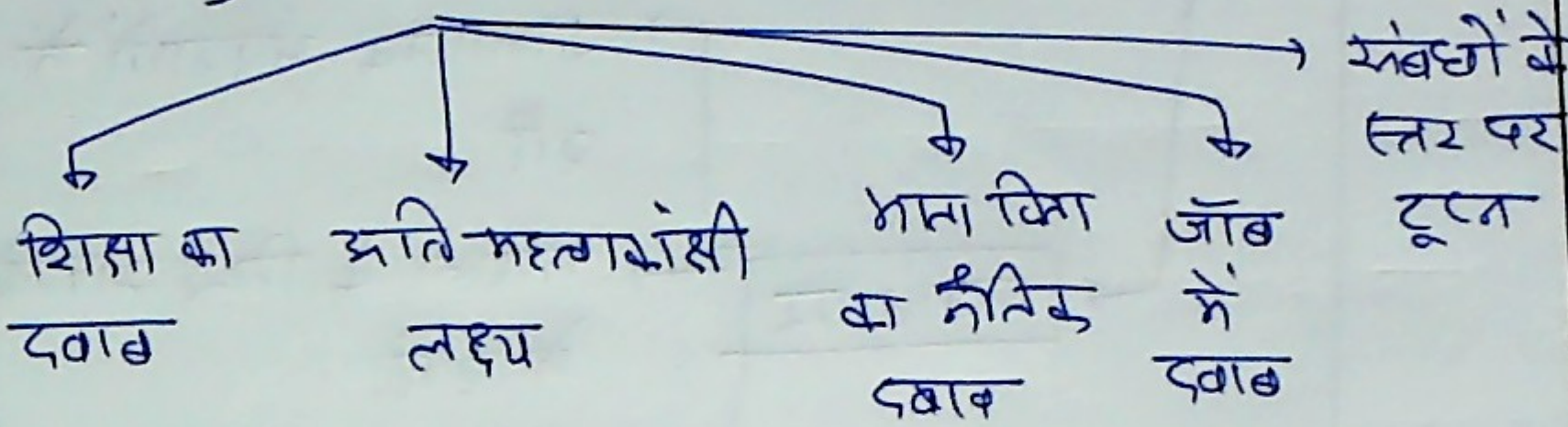

* बदलते सामाजिक मूल्य

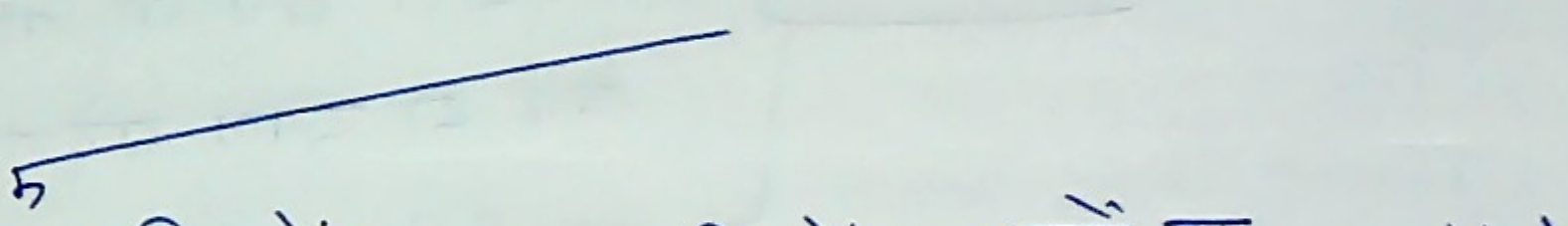

संयुक्त परिवारों का → एकल परिवारों में विघटन → बच्चों पर निगरानी घटी है → मूल्यों के स्तर पर गिरावट आयी है

* एकल पेरेंट्स की अवधारणा बच्चों को सुभेद्य बनाती है

* युवाओं में एक समूह से - दूसरे समूहों व युवाओं में फैलना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बहुआयामी प्रभाव

- **व्यक्ति पर**
  - * मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य
  - * उत्पादकता में कमी
  - * रोगों के प्रति सुभेद्यता
- **समाज पर**
  - सामाजिक अपराधों में वृद्धि
  - महिला के विरुद्ध अपराधों में वृद्धि
  - सामाजिक अशांति
- **देश पर**
  - मानव पूंजी का ह्रास
  - सरकारी खर्च या स्वास्थ्य खर्च का दबाव बढ़ेगा
  - अंतर्राष्ट्रीय छवि पर प्रभाव

रोकने के उपाय

- **घरेलू स्तर पर**
  - * बच्चों व युवाओं पर निगरानी
  - * संबंधों में संवेदनशीलता
  - * पीढ़ीगत अंतर को कम करना
- **सामाजिक स्तर पर**
  - * ऐसे तत्वों की पहचान करना
  - * कलंक के रूप न देखा जाना
  - * पुनर्वास में सहयोग करना
- **सरकार द्वारा**
  - कानूनी: पूर्तिपक्ष को नियंत्रित करना
  - पुनर्वास

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation